L.N. MITHILA UNIVERSITY
DARBHANGA (BIHAR)
B.A. PART - III
B.A PAPER - VII
Psychology (Honours)
Social psychology
TOPIC - Common traits or attributes of leadership.

Dr. Pramod Kumar Sah Ph.
Assistant Professor
Guest Teacher.
V.S.J. College, Rajnagar,
MADHUBANI (BIHAR)
pramodkumar sbg 2018 @ gmail.com.

नेतृत्व के कुछ गुण होते है। जिनके आधार पर एक नेता को आसानी से समझा जा सकता है या पहचाना जा सकता है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने नेतृत्व के गुणों की संख्या अलग-अलग बतलाया है। (Allport) के अनुसार नेतृत्व के 18 गुण होते है तथा टीड (Tead) के अनुसार नेतृत्व के 10 गुण होते है। इन सभी समाज मनोवैज्ञानिकों के विचारों का अध्ययन करने पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते है। कि नेतृत्व के कुछ सामान्य गुण होते है। जिसमें निम्नांकित प्रमुख है।

(1) शारीरिक गुण (Physical attributes) नेता के कुछ शारीरिक गुण होते है। जिनके आधार पर उन्हे कोई भी व्यक्ति आसानी से नेता के रूप में पहचान कर लेता है। (Caldwell 1953) द्वारा किये गये अध्ययनों से यह स्पष्ट हो गया है कि नेता के तीन प्रमुख शारीरिक गुण होते है। ऊँचाई, वजन, स्फूर्ति एवं अच्छा स्वास्थ्य प्रायः नेताओं की ऊँचाई सामान्य रूप से अधिक होती है। अधिक लम्बाई व्यक्ति की असाधारणता प्रदान करती है। जिसके परिणामस्वरूप उसे नेतृत्व की कार्य भार संचालन में कुछ सुविधा होती है। प्रायः देखा जाता है कि अलग-अलग समूह के नेता की लम्बाई भी अलग-अलग होती है। खिलाड़ियों के नेता प्रायः अधिक लम्बे होते है। परंतु राजनैतिक नेताओं की लम्बाई कम भी हो सकती है। श्री महात्मा गाँधी तथा श्री लालबहादुर शास्त्री जैसे राजनैतिक नेताओं की लम्बाई अपने अधिकतर अनुयायियों से कम ही थी,

वजन (weight) नेता का दूसरा प्रमुख शारीरिक गुण है। (Partridge 1961, Stogdill 1966) के अध्ययनों से यह साबित हो जाता है कि नेता प्रायः भारी शरीर वाले होते हैं। परंतु यह कोई नियम नहीं है। क्योंकि बहुत सारे नेताओं का शरीर भारी न होकर हल्का या कम वजन का ही होता है। तीसरा शारीरिक गुण है। स्फूर्ति एवं स्वास्थ्य, अधिकतर मनोवैज्ञानिकों का मत है। कि नेता का स्वास्थ्य आम व्यक्तियों से अच्छा होता है। तथा उनमें स्फूर्ति भी अधिक होती है।

ऊपर बतलाये गये नेता के तीनों शारीरिक गुण कुछ ऐसे हैं जो एक नेता के लिए वांछनीय अवश्य हैं। परंतु आवश्यक नहीं है। संसार के बड़े बड़े नेता जैसे- महात्मा गांधी, नेपोलियन तथा हिटलर अपने अनुयायियों से न तो लम्बे थे, न भारी शरीर के ही थे, और न अधिक शारीरिक रूप से शक्तिमान ही थे, अतः निष्कर्ष है कि उपर्युक्त शारीरिक गुण किसी नेता के लिए अति आवश्यक गुण नहीं है।

(ii) व्यक्तित्व शीलगुण - शारीरिक गुण के अलावा नहीं है नेता में व्यक्तित्व से सम्बन्धित कुछ शीलगुण भी पाये जाते हैं। ऐसे गुणों को मनोवैज्ञानिक गुण भी कहा जाता है

(i) बुद्धि - (Intelligence) सामान्य बुद्धि - (common sense) यह बतलाता है। कि नेता अपने अनुयायियों (followers) की तुलना में अधिक बुद्धि का होता है। समाज मनोवैज्ञानिकों द्वारा किये गये अध्ययनों से भी इस तथ्य की पुष्टि होती है। मनोवैज्ञानिकों ने विभिन्न समूह के नेता को अपने अनुयायियों की तुलना में अधिक बुद्धि का होते पाया है। फिर भी बुद्धि तथा नेतृत्व में सहसम्बन्ध काफी अधिक नहीं पाया गया है मान - (Mann 1959) ने अपने अध्ययन में सहसम्बन्ध .25 के आसपास पाया

(ii) आत्म विश्वास - (self-confidence) - नेता का तीसरा प्रमुख गुण आत्मविश्वास बतलाया जाता है।

Scanned with CamScanner

नेता को अपने अनुयायियों की पूर्ण प्रशंसा करना होता है। तथा कठिन से कठिन परिस्थितियों के बीच उन्हें हमेशा लोगों को प्रोत्साहित करना होता है। (Maccoby 1959) ने अपने अध्ययनों में पाया है कि नेतृत्व तथा आत्म-विश्वास आपस में एक से सह सम्बन्धित होते हैं। यदि नेता के आत्म विश्वास की कमी होती है, तो अनुयायियों की विश्वास उस पर से उठ जाता है, और उसका नेतृत्व भी समाप्त हो जाता है, जो नेता अपने आत्म विश्वास के साथ अनुयायियों के बीच आचरण करता है। उसका नेतृत्व अधिक सफल रहता है।

(iii) शब्दाडम्बर (Verbosity or Talkativeness)
शब्दाडम्बर नेता के प्रमुख गुणों में से एक है। शब्दाडम्बर से तात्पर्य अधिक बोलने की आदत से होता है। बास ने अपने अध्ययनों से यह तथ्य की पुष्टि किया है कि समूह का सबसे अधिक बोलने वाला सदस्य के रूप में देखा जाता है। यह नेतृत्व का एक मुख्य निर्धारक बन जाता है। बेस तथा उसके सहयोगियों ने एक अध्ययन किया जिसमें नेतृत्व तथा शब्दाडम्बर के बीच सम्बन्ध पाया गया। इस अध्ययन में चार प्रयोज्यों का एक समूह के तीन विभिन्न सत्रों में विचार विमर्श करने के लिए कहा गया। इन चारों प्रयोज्यों ने विविध तरह समस्या पर बातचीत किया और प्रेक्षकों ने प्रत्येक सदस्य द्वारा बोलने में लिए गये समय को रिकार्ड किया, इसके बाद प्रयोज्यों ने एक दूसरे की नेतृत्व के क्रम पर रेट किया और परिणाम में देखा गया कि सबसे अधिक समय तक बोलने वाले प्रयोज्यों को अन्य प्रयोज्यों ने समूह का नेता माना। बाद में रिकेन तथा किल्डरलीयर तथा स्लिवरस्टीन एवं बोटिलर तथा ने भी अपने अपने अध्ययन में शब्दाडम्बर तथा नेतृत्व के सम्बन्ध की पुष्टि किया है।

Scanned with CamScanner

(iv) प्रभुत्व - (Dominance) मान (Mann) 1959 ने अपने अध्ययनों में नेतृत्व तथा प्रभुत्व में धनात्मक सह सम्बन्ध (Positive correlation) पाया, इसका स्पष्ट मतलब यह हुआ कि नेतृत्व की गुण बढ़ने पर व्यक्ति में प्रभुत्व की भावना भी बढ़ता। मिगार्गी (Megargee 1969) ने एक अध्ययन किया जिसमें कैलिफोर्निया साइकोलॉजिकल इन्वेन्टरी के प्रभुत्व मापनी के प्राप्तांकों के आधार पर दो तरह के व्यक्तियों को चुना गया - कुछ व्यक्ति ऐसे थे, जिनका प्राप्तांक उस मापनी पर काफी अधिक तथा कुछ व्यक्ति ऐसे थे, जिनका प्राप्तांक उस मापनी पर काफी कम था,

(v) समायोजन (Adjustment) नेता में सामाजिक भी समायोजन की गुण होता है। स्पष्ट है कि नेतृत्व करने में यह स्वाभाविक है कि उसे कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है, तथा समस्याओं के साथ जूझना पड़ता है, तथा समस्याओं के साथ लड़ना पड़ता है। ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए यह आवश्यक है कि नेता में समायोजन की शीलगुण हो नेतृत्व के क्षेत्र में किये गये, अध्ययनों की समीक्षा करने पर मान इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि करीब-करीब 30% अध्ययनों में नेतृत्व तथा समायोजन करने की क्षमता एक दूसरे से धनात्मक रूप से सम्बन्धित पाया गया।

Dr. Pramod Kumar Sahu,
Date - 06/09/2020,
Sub - Psychology,

Scanned with CamScanner